मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 111, मुंबई, बुधवार, 1 जून, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

मीरा रोड स्थित कानून कायदों को ताक पर रखकर...

अवैध तरीके से चलाया जा रहा है POOJA BAKERY

पूजा बेकरी पूरी तरह से अवैध बना हुआ है, न ही इसके पास किसी प्रकार का कोई लायसेंस है, और न ही कोई सरकारी कागजात है, मीरा-भायंदर महानगरपालिका व स्थानीय पुलिस से अपील है कि अवैध तरीके से चलाई जा रही पूजा बेकरी पर जल्द से जल्द ठोस कार्रवाई करके इसे बंद कराया जाये, साथ ही बेकरी को पूरी तरह से सील किया जाये

ठाणे। **Pooja Bakery Mira Bhayandar Road Azad Nagar Bhayandar East District Thana 401105** कानून कायदों को ताक पर रख के पूरी तरह अवैध तरीके से चलाया जा रहा है। **Pooja Bakery** की स्वास्थ्य लाइसेंस जांच की जाये, साथ ही फायर लाइसेंस है कि नहीं ये सिर्फ एनओसी पर चल रहा है, जबकि फायर लाइसेंस होना चाहिए, लकड़ी की बेकरी है तो उसे जलाने का लाइसेंस होना चाहिए, गैस है तो कमर्शियल गैस यूज़ करते हैं या नहीं, इनका पानी का कनेक्शन है या नहीं ये पानी भी चोरी का इस्तेमाल करते है.... **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति द्वारा आयोजित हिंदी पत्रकारिता दिवस पर सम्मान समारोह संपन्न

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद खान को किया गया सम्मानित

(समाचार व चित्रमय छलकियां पृष्ठ 4-5 पर)

महाराष्ट्र में दिल दहलाने वाली घटना

मां ने 6 बच्चों को एक-एक कर कुएं में फेंका, फिर उन्हें मरता हुआ देखती रही

रायगढ़। महाराष्ट्र में एक झकझोर देने वाली घटना सामने आई। जहां एक मां ने अपने 6 बच्चों को एक-एक करके कुएं में फेंक दिया और बाहर बैठकर उन्हें मरता हुआ देखती रही। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

नेताओं पर कुछ पाबंदियां जरुरी

संसद की संयुक्त समिति ने एक आदेश जारी किया है, जिसके कारण अब सांसदों को सिर्फ अपनी एक ही पेंशन पर गुजारा करना होगा। अभी तक एक सांसद को, यदि वह विधायक भी रहा हो और सरकारी कर्मचारी भी रहा हो तो तीन-तीन पेंशनें लेने की सुविधा बनी हुई है। हमारे सांसदों को तीन लाख 30 हजार रु. तो हर महिने वेतन के तौर पर मिलते ही हैं, उन्हें तरह-तरह की इतनी सुविधाएं भी मिलती हैं कि उन सबका हिसाब बाजार भाव से जोड़ा जाए तो उन पर होने वाला सरकारी खर्च कम से कम 10 लाख रु. प्रति माह होता है। जबकि भारत के लगभग 100 करोड़ लोग 10 हजार रु. प्रति माह से भी कम में गुजारा करते हैं। हमारे वे सांसद और विधायक बिल्कुल भौंदू माने जाएंगे, जो सिर्फ अपने वेतन और भत्तों पर ही निर्भर होंगे। राजनीति में आने वाला हर व्यक्ति, चाहे वह किसी भी पार्टी का हो, उसके लिए यह सरकारी वेतन और भत्ते तो ऊँट के मुंह में जीरे के समान हैं। हमारी राजनीति का शुद्धिकरण तभी हो सकता है जबकि हमारे जन-प्रतिनिधि आचार्य कौटिल्य की सादगी का अनुकरण करें या यूनानी विद्वान प्लेटो के दार्शनिक सेवकों की तरह रहें। प्रधानमंत्री ने खुद को 'प्रधान जनसेवक' कहा है, जो बिल्कुल उचित है लेकिन हमारे नेता गण वास्तव में जनता के प्रधान मालिक बन बैठते हैं। उनकी लूट-पाट और उनकी अकड़ हमारे नौकरशाहों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक होती है। वे उनसे भी ज्यादा अकड़बाज और लुटेरे बनकर ठाठ करते हैं। संसदीय समिति को बधाई कि उसने अभी सांसदों की दुगुनी-तिगुनी पेंशन पर रोक लगाई है लेकिन यह काम अभी अधूरा ही है। उसे पहला काम तो यह करना चाहिए कि सांसदों को अपने वेतन और भत्ते खुद ही बढ़ाने के अधिकार को वह समाप्त करे। दुनिया के कई लोकतांत्रिक देशों में यह अधिकार दूसरे संगठन को दिया गया है। इसके अलावा जरा यह भी सोचा जाए कि यदि कोई व्यक्ति पांच साल से कम समय तक संसद और विधायक रहे तो उसे पेंशन क्यों दी जाए? क्या सरकारी कर्मचारी और विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों को इस तरह पेंशन मिल जाती है? मेरी अपनी राय तो यह है कि सांसदों और विधायकों को कोई पेंशन नहीं लेनी चाहिए। इसके अलावा यदि विभिन्न राज्यों का हिसाब-किताब देखें तो वहां पेंशन के नाम पर लूट मची हुई है। कई राज्यों में जो विधायक कई बार चुने जाते हैं, उनकी पुरानी पेंशन में नई पेंशन भी जुड़ जाती है। पंजाब में अकाली दल के 11 बार विधायक रहे प्रकाशसिंह बादल को लगभग 6 लाख रु. प्रति माह पेंशन मिलती है। 'आप पार्टी' की मान सरकार इस प्रावधान पर रोक लगा रही है। इसके अलावा विधायकों के और भी कई मजे हैं। देश के सात राज्यों में विधायक लोगों की आय पर आयकर उनकी सरकारें भरती हैं। उन्हें भी सांसदों की तरह निवास, यात्राओं आदि की कई मुफ्त सुविधाएं मिली रहती हैं। जो सुविधाएं जन-सेवा के लिए जरुरी हैं, वे अवश्य दी जाएं लेकिन नेताओं की पेंशन, मोटी तनख्वाह और अनावश्यक सुविधाओं में यदि कटौती कर दी जाए तो हजारों करोड़ रु. की बचत हो सकती है, जिसका लाभ देश के वंचितों, गरीबों और पिछड़ों को पहुंचाया जा सकता है। आजकल देश के नेतागण अपने विज्ञापन छपाने और दिखाने पर अरबों-खरबों रु. खर्च कर रहे हैं। इस पर भी तुरंत पाबंदी लगनी चाहिए।

राजनैतिक संस्कृति सुधरने के बजाय बिगड़ी!

भाजपा खुद राजनीति के युवराजों की अंतिम शरणस्थली बनी है। किसी भी पार्टी का युवराज भाजपा में शामिल हो सकता है और महत्वपूर्ण पद हासिल कर सकता है। सो, इस मामले में भी सिर्फ बातें हुई हैं, कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। कुल मिला कर स्थिति यह है कि पहले से जो खामियां थीं वो खत्म होने की जगह बढ़ रही हैं और साथ साथ नई खामियां आ गई हैं।

आठ साल पहले नरेंद्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने थे तब उन्होंने देश में नई राजनीतिक संस्कृति शुरू करने का वादा किया था। उन्होंने कांग्रेस मुक्त भारत का नारा दिया था, जिसकी एक व्याख्या यह की गई कि वे कांग्रेस की राजनीतिक संस्कृति से देश को मुक्त करना चाहते हैं। यह बड़ा मनभावन नारा था क्योंकि इस हकीकत से किसी को इनकार नहीं होगा कि आजादी के बाद सात दशक में सभी राजनीतिक दल किसी न किसी रूप में कांग्रेस की कार्य संस्कृति को अपना चुके थे- यहां तक कि भाजपा भी। तभी संघ-भाजपा के विचारक गोविंदाचार्य ने भाजपा को भगवा कांग्रेस कहना शुरू कर दिया था। जब नरेंद्र मोदी ने राजनीति को बदलने की बात कही तो यह उम्मीद बंधी थी कांग्रेस की राजनीतिक संस्कृति से देश को मुक्ति मिलेगी। पार्टियों की राजनीतिक संस्कृति के साथ साथ प्रधानमंत्री मोदी ने दशकों से चली आ रही राजनीतिक कुरीतियों को भी खत्म करने का संकल्प जताया था और इसका एक रोडमैप भी सामने रखा था। उनके दूसरे कार्यकाल के तीन साल पूरे होने के मौके पर उनकी उपलब्धियों का लेखा-जोखा करते हुए आर्थिक, सामाजिक, सामरिक व वैश्विक नीतियों के साथ साथ इस पर भी चर्चा होनी चाहिए कि राजनीति कितनी बदली। देश की राजनीति को बदलने के लिए मोदी ने जो रोडमैप रखा था, उसमें चार बातें मुख्य थीं।

पहली बात देश के सारे चुनाव एक साथ कराने की थी क्योंकि हर साल चुनाव होने से विकास की गतिविधियां प्रभावित होती हैं। दूसरी बात राजनीति की ऊपर से सफाई करने की थी। उन्होंने कहा था कि वे नीचे से नहीं, बल्कि ऊपर से राजनीति की सफाई करेंगे और सबसे पहले दागी-आरोपी नेताओं को सजा दिलाएंगे। तीसरी बात राजनीतिक चंदे को पारदर्शी बनाने की थी और चौथी बात राजनीति को वंशवाद-परिवारवाद से मुक्त करके उसे समावेशी बनाने की थी। कहने की जरूरत नहीं है कि ये चारों बातें भारतीय राजनीति को स्वच्छ बनाने के लिए जरूरी हैं। लेकिन अगर आठ साल का इतिहास देखें तो पता चलता है कि इनमें से किसी एजेंडे पर आंशिक रूप से भी अमल नहीं हुआ है। सबसे पहले एक साथ चुनाव की बात करते हैं। नरेंद्र मोदी ने अनेक बार एक देश, एक चुनाव की बात कही है। चुनाव आयोग भी उनकी इस बात से हर बार सहमति जताता है। लेकिन पिछले आठ साल में एक ठोस पहल चुनाव आयोग की ओर से यह हुई है कि आयोग ने हर चुनाव के लिए एक कॉमन वोटर लिस्ट बनाने का फैसला किया है। इसके अलावा कोई फैसला या कोई पहल ऐसी नहीं हुई है, जिससे लगे कि आने वाले दिनों में सारे चुनाव एक साथ कराए जाएंगे। अभी सारे चुनाव एक साथ कराने की बाधाओं और उसके गुण-दोष पर चर्चा नहीं हो रही है। वह अलग मुद्दा है लेकिन हकीकत यह है कि इस दिशा में रत्ती भर भी पहल नहीं हुई है। इसी साल की मिसाल है, जब फरवरी-मार्च में पांच राज्यों में चुनाव हुए हैं और नवंबर में हिमाचल प्रदेश में व दिसंबर में गुजरात में चुनाव होने हैं। गुजरात और हिमाचल दोनों राज्यों में भाजपा की सरकार है और अगर भाजपा चाहती तो इन दोनों राज्यों के चुनाव फरवरी-मार्च में पांच राज्यों के साथ हो सकते थे। इसमें किसी विपक्षी पार्टी की सरकार से मंजूरी लेने की जरूरत नहीं थी। एक साथ चुनाव कराने की दिशा में यह एक पहल होती। ऐसे ही अगले साल फरवरी में पूर्वोत्तर के कई राज्यों में चुनाव है। उसके बाद मई में कर्नाटक में चुनाव है और साल के अंत में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के चुनाव हैं। हकीकत यह है कि पिछले आठ साल में राज्यों के चुनाव को आगे-पीछे करके, ज्यादा से ज्यादा राज्यों में एक साथ चुनाव कराने की कोई पहल नहीं हुई है।

दूसरी बात दागी-आरोपी नेताओं को सजा दिला कर राजनीति की ऊपर से सफाई की है तो इस मामले में भी रत्ती भर तरक्की नहीं हुई है। नेताओं से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की पहल जरूर हुई लेकिन वह पहल सिरे नहीं चढ़ सकी। एकमात्र नेता, जिनको सजा होने की चर्चा की जा सकती है तो वो लालू प्रसाद हैं। लेकिन उनको भी सजा किसी राजनीतिक पहल की वजह से नहीं हुई है, बल्कि दो दशक से ज्यादा समय की सुनवाई के बाद हुई है। बाकी सारे नेताओं के मुकदमे जस के तस हैं। उलटे पिछले आठ साल में राजनीति और गंदी होती गई है। सभी राज्यों में और सभी पार्टियों में आरोपी सांसदों-विधायकों की संख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। भाजपा भी अपवाद नहीं है। उत्तर प्रदेश की मिसाल से पूरे देश का अंदाजा लग जाएगा। 10 मार्च 2022 को आए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजों में भाजपा के 255 विधायक हैं, जिनमें से 111 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के हलफनामे का विश्लेषण करके एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स नाम की संस्था ने बताया है कि भाजपा के 95 विधायकों के ऊपर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। उत्तर प्रदेश इकलौता राज्य है, जहां कुल चुने गए प्रतिनिधियों में से 51 फीसदी के खिलाफ आपराधिक मामले चल रहे हैं। सोचें, राजनीति की सफाई की दिशा में देश किस तरफ बढ़ा है? तीसरी बात राजनीतिक चंदे के सिस्टम को पारदर्शी बनाने की थी। लेकिन इस मामले में तो पूरी तरह से उलटा काम हो गया है। सरकार ने राजनीतिक चंदे की पारदर्शिता पूरी तरह से समाप्त कर दी है। अब किसी को पता नहीं चल पाता है कि किस कारोबारी घराने ने किस ट्रस्ट के माध्यम से किस दल को कितना चंदा दिया। सिर्फ इतना पता चल रहा है कि मोदी सरकार ने इलेक्टोरल बांड की जो व्यवस्था लागू की है उससे 90 फीसदी के करीब चंदा भाजपा के खाते में जा रहा है। राजनीतिक चंदे की रही सही पारदर्शिता भी इस नियम से समाप्त हो गई। इतना ही नहीं मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद कानून बना कर राजनीतिक दलों को चंदे के मामले में एक और बड़ी छूट दी। सरकार ने मार्च 2018 में यह कानून पास किया कि राजनीतिक दलों को मिलने वाले विदेशी चंदे की जांच नहीं होगी। इस कानून की वजह से किसी भी पार्टी को 1976 के बाद मिले विदेशी चंदे की जांच नहीं हो सकेगी। चौथी बात राजनीति को वंशवाद और परिवारवाद से मुक्त करने की थी। चार बातों में से यह एकमात्र बात है, जिसे प्रधानमंत्री सबसे ज्यादा दोहराते हैं। लेकिन क्या सचमुच राजनीति वंशवाद से मुक्त हुई है? कांग्रेस पार्टी जरूर कमजोर हुई है लेकिन क्या सिर्फ उससे राजनीति में वंशवाद खत्म हो जाएगा? पूरे देश में एक परिवार के असर वाली पार्टियां फल-फूल रही हैं और उनमें से कई पार्टियों के साथ भाजपा का भी तालमेल है। भाजपा खुद राजनीति के युवराजों की अंतिम शरणस्थली बनी है। किसी भी पार्टी का युवराज भाजपा में शामिल हो सकता है और महत्वपूर्ण पद हासिल कर सकता है। सो, इस मामले में भी सिर्फ बातें हुई हैं, कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। कुल मिला कर स्थिति यह है कि पहले से जो खामियां थीं वो खत्म होने की जगह बढ़ रही हैं और साथ साथ नई खामियां आ गई हैं। बदला लेने की राजनीति की एक नई संस्कृति देश में फल-फूल रही है। विपक्ष को प्रतिद्वंद्वी की बजाय जानी दुश्मन मान कर उसे खत्म करने की संस्कृति पैदा हो गई है। विपक्ष के नेताओं पर झूठे-सच्चे आरोप लगा कर और सोशल मीडिया के जरिए उन आरोपों का प्रचारित कर नेताओं की साख खराब करने की एक नई संस्कृति भी देखने को मिल रही है। अपनी कमीज उजली दिखाने के लिए दूसरों की कमीज पर कीचड़ फेंकने की जो संस्कृति हाशिए पर थी उसे राजनीति के केंद्र में ला दिया गया है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पांच नशेड़ी युवकों द्वारा की गई 27 वर्षीय ओला कार चालक के साथ

लूटपाट कर की गई निर्मम हत्या

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। पांच नशेड़ी युवकों द्वारा की गई 27 वर्षीय ओला कार चालक की निर्मम हत्या का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में पुलिस आयुक्तालय कलवा विभाग के एसीपी व्यंकट आधळे द्वारा ली गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि गत 29 मई शनिवार रात 9:30 बजे खरडी रोड जाने वाले कच्चे रास्ते पर ब्रिज के नीचे एक व्यक्ति की लाश अर्धनग्न अवस्था में पाई गई इस व्यक्ति के सर पर पत्थर से पेवर ब्लॉक से मार कर हत्या कर दी थी इस हत्या की सूचना शेतकरी बाल कृष्णा गणपत पाटील द्वारा डायगर पुलिस स्टेशन को दी गई सूचना मिलते ही घटनास्थल पर डायगर पुलिस ने पहुंचकर लाश का पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु के लिए कलवा छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल मैं भेज दिया और पास खड़ी ओला कंपनी की कार नंबर एमएम03 सीव्ही 7195 से ओला कंपनी से जानकारी निकालने के बाद मृतक का शिनाख्त की गई मोहम्मद अली अंसारी वर्ष 27 रहवासी रूम नंबर 249 मोमीन पूरा चॉल संजय नगर सुंदर बाग के करीब चांद तारा होटल कमानी कुर्ला मुंबई महाराष्ट्र उसके बाद डाइगर पुलिस ने गुनाह रजि.नं 160/22 भारतीय दंड संहिता सीआरपीसी आईपीसी 302, 397,396 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी डायगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक ने इस हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए तीन टीमें तैयार की गुप्त खबर और सीसीटीवी के आधार पर और ओला कंपनी

शील डायगर पुलिस ने आरोपियों को मात्र 10 घंटे के भीतर किया गिरफ्तार

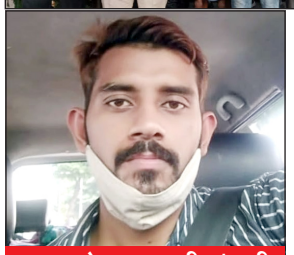

मृतक मोहम्मद अली अंसारी

बुकिंग सेंटर की मदद से यह पता लगाने में देर नहीं लगी कि आरोपियों ने यह ओला कार की बुकिंग बदलापुर से की गई थी टेक्निकली जांच के आधार पर डायगर पुलिस के हत्थे पांच आरोपी चढ़ गए आरोपी का नाम हसीरुल हालीम शेख वर्ष 36 रहवासी मुंब्रा देवी कॉलोनी दिवा पूर्व, आतिष विनायक भोसले वर्ष 21 रहवासी तुलसी पाड़ा पाइपलाइन, भांडुप मुंबई 3, ओकार प्रदीप कासेकर वर्ष 21 रहिवासी कलवा रेलवे स्टेशन झोपडपट्टी कलवा, प्रशांत देवराज पेरीया स्वामी वर्ष 19 रहवासी दातिवली गांव, गाने और पांचवा आरोपी जो कि नाबालिग बताया जा रहा है लेकिन उसको ताबे में ले लिया गया है पुलिस ने आरोपियों को भांडुप मुंबई कलवा दिवा थाने यह अलग-अलग जगहों से इन आरोपियों को 10 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार करने के बाद आरोपियों ने बताया कि हमने बदलापुर से यह गाड़ी बुक करी थी और खरडी रोड के कच्चे रास्ते पर ले जाकर हम लोगों ने पेशाब का बहाना किया और कार चालक को बाहर निकाला और फिर उसके साथ लूटपाट की एक मोबाइल और 2500/ रुपए नकद हम लोगों ने जबरन निकालें और उसके बाद उसके सर पर पत्थर से पेवर ब्लॉक मार्कर उसकी हत्या कर दी पांचो आरोपियों की गत 30 मई सोमवार को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहां पर न्यायालय ने 3 जून शुक्रवार तक पुलिस हिरासत में रहने के आदेश दिए गौरतलब बात यह है पुलिस को इस हत्या के बारे में किसी प्रकार की कोई भी जानकारी नहीं होते हुए पर भी टेक्निकली जांच के आधार पर 10 घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया यह कार्रवाई मा. अपर पुलिस आयुक्त श्री अनिल कुंभारे, मा. पुलिस उपायुक्त परिमंडल जोन एक के अविनाश अंबुरे, मा.सहा पुलिस आयुक्त श्री व्यंकट आधळे कलवा विभाग, शील डायगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन गावडे के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक मुजावर, पुलिस निरीक्षक क्राइम आर के मोहिते, पुलिस निरीक्षक यादव, सहायक पुलिस निरीक्षक भूषण कापडणीस, सहायक पुलिस निरीक्षक आरळेकर, सहायक पुलिस निरीक्षक काळे, सहायक पुलिस निरीक्षक चिटनीस, पुलिस हवलदार गायकवाड, पुलिस हवलदार यादव, पुलिस हवलदार कांबळे, पुलिस हवलदार सोनकडे, पुलिस नाइक गोविंद पाटील, पुलिस नाइक सत्रे, पुलिस नाइक कोळी, पुलिस नाइक सुशांत पाटिल, पुलिस नाइक बोराडे, पुलिस नाइक ४७३६ कांबळे, पुलिस नाइक वसावे, पुलिस नाइक हेलोडे, पुलिस नाइक आहेर, पुलिस नाइक अवार्ड,पुलिस नाइक ४२६ कांबळे,पुलिस नाइक देशमुख, पुलिस नाइक घायगुडे, पुलिस सिपाही सोनवणे, पुलिस सिपाही पाडळे, पुलिस सिपाही सकपाळ, पुलिस सिपाही खांडे इन तमाम लोगों की मौजूदगी में यह कार्यवाही को अंजाम दिया गया अब पुलिस द्वारा यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी के इन पांचों आरोपियों के पहले से कोई अपराधिक मामले दर्ज है या नहीं इस केस की आगे की छानबीन क्राइम के पुलिस निरीक्षक आर के मोहिते कर रहे हैं।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

अवैध तरीके से चलाया जा रहा है पूजा बेकरी

...लाईट कनेक्शन की भी जांच की जाये ये लाईट भी चोरी का इस्तेमाल करते हैं, साथ ही इनके सभी कागजात अच्छे तरीके से जांच की जाये, और इस बेकरी की जगह कितनी वैध है और कितनी अवैध है इसकी बहुत ही बारीकी से जांच की जाये, साथ ही एफएसएसएआई का लाइसेंस है कि नहीं इसकी भी जांच की जायें अगर नहीं है तो तुरंत इस पर कार्रवाई की जायें, साथ ही जितने भी कर्मचारी हैं उनकी भी सारे पेपर की जांच की जाये कि वह लोग कहां से हैं और कौन है, कम उमर के कितने बच्चे काम करते हैं उन सभी का आरेस्ट किया जाये। मीरा-भायंदर महानगरपालिका व स्थानीय पुलिस से अपील है कि इस बेकरी की सारे कागजात की तुरंत जांच की जाये और इस पर सख्त से सख्त जल्द कार्रवाई की जाये ताकी भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना घटने से रोका जा सके।

महाराष्ट्र में दिल दहलाने वाली घटना

इसके बाद महिला को अरेस्ट कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, उसने पारिवारिक विवाद के चलते यह कदम उठाया है। यह दर्दनाक वाकया रायगढ़ जिले के महाड़ तालुका के बोरवाड़ी गांव का है। मंगलवार सुबह तक सभी 6 शवों को बाहर निकाल लिया गया था। मरने वालों में पांच लड़कियां और एक लड़का शामिल है। महिला ने पूछताछ में बताया है कि सोमवार सुबह उसके ससुर ने उसकी बुरी तरह से पिटाई की थी। इस बात से नाराज महिला ने रात में अपने बच्चों को मारने का कदम उठाया। मरने वाले बच्चों की उम्र 10 से 3 साल के बीच है। आरोपी मां का नाम रूना चिखुरी साहनी (30) है। मृतकों में रोशनी (10), करिश्मा (8), रेशमा (6), विद्या (5), शिवराज (3) और राधा (3) शामिल हैं। बच्चों के मरने की पुष्टि हो जाने के बाद, महिला ने भी आत्महत्या के लिए कुएं में छलांग लगाई थी, लेकिन लोगों ने उसे बचा लिया। वारदात की सूचना मिलते ही महाड़ के विधायक भरत गोगावले पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और महिला को गिरफ्तार करवाया। इससे पहले विदर्भ के लातूर जिले में एक महिला ने पति से हुए विवाद के बाद अपने 2 साल के बच्चे को कुएं में फेंक दिया था। उसके बाद महिला ने अपने परिवार को इसकी जानकारी दी थी। शुरू में परिजनों को यकीन नहीं हुआ और देर रात तक जब बच्चा नहीं नजर आया तो कुएं में उसकी तलाश शुरू हुई। कुछ देर बाद पुलिस को उसका शव बरामद हुआ।

केंद्र और राज्य की कल्याणकारी योजनाओं को राजनीतिक पूर्वाग्रह के बिना लागू किया: ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने केंद्र और राज्य द्वारा शुरू की गई कल्याणकारी योजनाओं को बिना किसी राजनीतिक पूर्वाग्रह के लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य केंद्र प्रायोजित योजनाओं में 40 प्रतिशत का योगदान देता है और महाराष्ट्र सरकार ने अपने प्रशासनिक तंत्र के माध्यम से यह सुनिश्चित किया है कि ये योजनाएं तालुका और ग्राम स्तर तक पहुंचें। ठाकरे ने कहा कि कतार में अंतिम स्थान पर खड़े व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए सभी योजनाओं

को पूरी लगन के साथ लागू किया गया है। ठाकरे ने एक ऑनलाइन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से बातचीत की। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के एक बयान में कहा गया है कि महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पांच लाख घर बनाए गए हैं जबकि इस योजना के तहत पांच लाख और घर बनाए जा रहे हैं। ठाकरे ने कहा कि इस उद्देश्य के लिए 3,500 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए। सीएमओ ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत 19 लाख परिवारों को नल के पानी के कनेक्शन दिए गए हैं और इस योजना के लिए 1,900 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए हैं।

मूसेवाला पंचतत्व में विलीनः पिता ने पगड़ी उतारकर लोगों को शुक्रिया कहा, आखिरी सफर में उमड़ी प्रशंसकों की भीड़

चंडीगढ़। मशहूर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला पंचतत्व में विलीन हो गए हैं। मानसा जिले के मूसागांव स्थित उनके खेत में ही उन्हें मुखाग्नि दी गई। मूसेवाला की अंतिम यात्रा में उनके प्रशंसकों की भारी भीड़ जुटी, जो उनकी एक आखिरी झलक देखना चाहती थी।

मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह और मां चरण कौर ने अपने स्टार सिंगर बेटे को विदाई देने पहुंचे सैकड़ों प्रशंसकों का हाथ जोड़कर धन्यवाद किया। पिता ने अपनी पगड़ी उतारकर प्रशंसकों को शुक्रिया किया। मूसेवाला की शव यात्रा और अंतिम संस्कार वाली जगह पर पंजाब सरकार मुदार्बाद के नारे लगे। उनके प्रशंसकों ने उनकी सिक्योरिटी हटाए जाने और इसकी जानकारी सार्वजनिक किए जाने के चलते सरकार के प्रति नाराजगी जाहिर की। इससे पहले मूसेवाला की मां ने अंतिम यात्रा के लिए आज आखिरी बार बेटे के बाल संवारे। पिता ने पगड़ी पहनाई। मूसेवाला के सिर पर सेहरा सजाया गया। सिद्धू मूसेवाला का आगामी 11 जून को 29वां बर्थ-डे था और जून में ही उनकी शादी होनी थी।

दै. मुंबई हलचल कार्यालय में केक काटकर

समाजसेविका सलमा मेमन का मनाया गया जन्मदिन

मुंबई। दै. मुंबई हलचल परिवार की ओर से अखबार के मुंबई स्थित कार्यालय में समाजसेविका व उम्मीद फाउंडेशन की संस्थापिका सलमा मेमन का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया। इस दौरान दै. मुंबई हलचल की टीम ने केक खिलाकर सलमा मेमन जी को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर भारतीय विश्वकर्मा जनहित सेवा समिती की राष्ट्रीय अध्यक्षा उज्वला विश्वकर्मा, आसिफ कुरैशी, आरिफ खान व अन्य लोग मौजूद रहे। बता दें कि समाजसेविका सलमा मेमन उम्मीद फाउंडेशन के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास के लिए समाज के प्रति मानवीय सेवा काफी सालों से कर रही हैं। सलमा मेमन को उनके द्वारा की गई समाजिक कार्यों को लेकर उन्हें कई बार सम्मानि भी किया जा चुका है। सलमा मेमन का कहना है कि मैं समाज के लिए कुछ करने में सक्षम हूं तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। आपको बता दें कि उम्मीद फाउंडेशन बच्चों के शैक्षिक शुल्क, कैंसर रोगियों की मदद, अनाथ और वृद्धाश्रमों को उनकी जरूरत को पूरा करने के लिए काम करता है, साथ ही सलमा मेमन विकलांग लोगों, बुजुर्गों और अनाथ घरों, वंचित समाज, महिला सशक्तिकरण और अन्य समाजिक कार्यों के लिए काम करती हैं।

बोरीवली में तीन दिवसीय खादी महोत्सव का उद्घाटन

मुंबई। अथर्व स्कूल ऑफ फैशन एंड आर्ट्स और मुंबई खादी ग्रामोद्योग एसोसिएशन ट्रस्ट (कोरा केंद्र) के द्वारा बोरीवली पश्चिम में तीन दिवसीय 'खादी महोत्सव 2022' का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तर मुंबई के सांसद श्री गोपाल शेट्टी, बोरिवली के विधायक सुनील राणे और भाजपा के अन्य प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे। अगले तीन दिन चलने वाले खादी महोत्सव में पूरे देश से कई से कई प्रमुख कलाकारों ने स्टॉल में खादी वस्त्रों से साथ कई अन्य कला शिल्प का प्रदर्शन किया हैं। देश के कई राज्य के साथ ही दूर दराज शहरों के उम्दा कलाकृतियों की प्रदर्शनी में बहुत ही उत्साह से सम्मिलित हुए है। महोत्सव में 28 और 29 मई को शाम का फैशन शो होगा। खादी महोत्सव की परिकल्पना अथर्व फाउंडेशन के अध्यक्ष और बोरीवली के विधायक सुनील राणे ने की है। खादी महोत्सव में भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए 10 डिजाइनर स्थानीय फैशन परिधानों पर काम कर रहे हैं। इस खादी महोत्सव के डिजाइनर विभिन्न भारतीय संस्कृतियों और परंपराओं का एक अनूठा उत्सव और प्रदर्शन होगा। खादी स्वतंत्रता पूर्व समय में सामाजिक परिवर्तन का एक उपकरण है और आधुनिक समय में पुनरुत्थान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। और हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों की मामूली पोशाक के कारण, खादी फैशन का प्रतीक बन गई है। खादी महोत्सव 2022 के आयोजन के बारे में सुनील राणे ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य खादी उद्योग और हाथ से बुने हुए कपड़ों को बढ़ावा देना और स्थानीय फैशन डिजाइनरों को मुख्यधारा में लाना है। साथ ही इस खादी फैशन शो के माध्यम से भारत की संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करना है। इस खादी फैशन शो के माध्यम से खादी की सादगी, शुद्धता और स्थायित्व का सार प्रस्तुत किया जाएगा। फैशन शोकेस खादी की आधुनिकता के साथ हमारी संस्कृति और विरासत को प्रस्तुत करता है।

दरियादिल मुंबईकर ग्रुप और कैंसर कंट्रोल मिशन द्वारा मंगलवार 31 मई को मुंबई स्थित जूहु बीच की सफाई की गई। अर्चना देशमुख ने बताया ये हम अक्सर किया करते है। देश की सफाई एकमात्र सफाईकर्मियों की जिम्मेदारी नहीं है। क्या इसमें नागरिकों की कोई भूमिका नहीं है? हमें इस मानसिकता को बदलना होगा। ईश्वर सफाई से प्रेम करता है। पर्यावरण को जरूर स्वच्छ रखा जाना चाहिए।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

बुलढाणा में खरीफ फसल की तैयारी में जुटे किसान

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। इन दिनों किसान खरीफ की फसल के लिए खेतों में जोरों से तैयारी करने में जुट गए हैं, बुलढाणा तहसील सहित जिला भर में के खेतों में किसान जुताई में जुट गए हैं। ईंधन की लगातार बढ़ती दरों के कारण अब किसान वर्ग ट्रैक्टर की बजाए वापस बैलों की मदद लेता हुआ भी दिखाई देने लगा है। क्योंकी डीजल-पेट्रोल के साथ ही कृषि यंत्रों के दाम बढ़ने से किसानों

पर महंगाई की दोहरी मार पड़ रही है। ऐसे में किसानों की चिंता बढ़ गई है। खाद, बीज, से लेकर जुताई तक पिछले साल की अपेक्षा इस वर्ष महंगा है। डीजल के भाव बढ़ने, बुवाई 20 प्रतिशत महंगी पड़ रही है। इससे खेती की लागत बढ़ गई है। बता दें कि बीते वर्षों में खेती के लिए टैक्टरों का इस्तेमाल काफी बढ़ा है। मगर इस साल डीजल आदि ईंधन पदार्थों की लगातार बढ़ी कीमतों ने किसानों को एक बार फिर से पारंपरिक खेती की ओर उन्मुख कर दिया है। ट्रैक्टर के उपयोग पर प्रति एकड़ करीब दो हजार रुपए तक का खर्च हो रहा था। इसके अलावा खाद, बीज, मजदूरी आदि के खर्च अलग हैं। यही सब देखते हुए बुलढाणा तहसील के किसानों ने अपने खेत में पुनः बैलों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है।

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति द्वारा आयोजित

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर सम्मान समारोह संपन्न

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद खान को किया गया सम्मानित

भिवंडी। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के बैनर तले आयोजित हिंदी पत्रकारिता दिवस पर सम्मान समारोह सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार 30 मई 2022 की शाम भिवंडी परिसर के उचित पांडा में तय्यब मस्जिद के ठीक बगल में स्थित ओसियन गार्डन हाल में अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के भिवंडी शहर जिला अध्यक्ष फरीद शेख और भिवंडी शहर अध्यक्ष इब्राहीम शेख द्वारा हिंदी पत्रकारिता दिवस का आयोजन किया गया था जिसमें भिवंडी, ठाणे, नवीमुंबई, मुंब्रा और मुंबई यादि जगहों के सैकडों पत्रकारों को पत्रकारिता सम्मान 2022 का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस हिंदी पत्रकारिता दिवस में मुख्य अतिथि भिवंडी पूर्व के आमदार रईस शेख व भिवंडी जॉन 2 के पुलिस डीसीपी योगेश चव्हाण एवं अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलशाद खान, भारतीय विश्वकर्मा जनहित सेवा समिती की राष्ट्रीय अध्यक्षा उज्वला विश्वकर्मा और इस कार्यक्रम के अध्यक्ष अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के ठाणे जिला अध्यक्ष व हिंदभूमि टाइम्स के संपादक तेज तर्रार चर्चित युवा पत्रकार यूसुफ मंसुरी थे। इनके अलावा विशेष अतिथि अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति की महाराष्ट्र अध्यक्षा श्रीमती नीतिका राव एवं भिवंडी मनपा के शहर अभियंता एल पी गायकवाड़ अथवा समाजवादी पार्टी भिवंडी अध्यक्ष रियाज आजमी और वरिष्ठ पत्रकार दैनिक दबंग दुनिया के गोपाल सिंह ठाकुर के अलावा यादि गणमान्य और भर्नी संख्या में पत्रकार मौजूद थे। इस पत्रकारिता दिवस के मौके पर मुख्य अतिथि डीसीपी योगेश चव्हाण एवं पत्रकार दिलशाद खान अथवा युवा पत्रकार यूसुफ मंसुरी और गोपाल सिंह ठाकुर के अलावा यादि मान्यवरों ने हिंदी पत्रकारिता दिवस की हार्दिक बधाई देने के साथ ही अपनी- अपनी राय जाहिर की। अंत में कार्यक्रम के आयोजकों ने मुख्य अतिथि व विशेष अतिथि और कार्यक्रम के अध्यक्ष के अलावा आये हुए सभी पत्रकार और मेहमानों को शुक्रिया कहने के साथ ही सफलता पूर्वक कार्यक्रम को संपन्न किया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आज गायों के रक्षक ही बने हुए है भक्षक

रविंद्र आर्य ने पशुपालन मंत्री से की शिकायत

संवाददाता/रविंद्र आर्य

गाजियाबाद। पशु प्रेमी रविंद्र आर्य ने कहा उत्तर प्रदेश पशुधन मंत्री धर्मपाल से पशु प्रेमियों का सवाल है की आपके बयान अनुसार गाय का गोबर उठाना, गाय का दूध पीना एवं गऊशालाओं का विकास होना तो तब होगा, जब गाय बचेगी। गाजियाबाद इंदिरापुरम कनावली गांव में गऊशाला संचालक सूरज पंडित, जुग्गी झोपड़ी संचालक मोसिन खान और नगर निगम की लापरवाही से 11 अप्रैल 2022 को जुग्गी झोपड़ी में आग द्वारा 41 गायों का दम घुटने और जलने से मृत्यु हो गयी थी, ओर जिसमे अभी तक किसी के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गयी है, और अब नगर निगम में एक और नया खुलासा मिजार्पुर वार्ड न. 48 के पार्षद हाजी आसिफ ने नगर निगम की बैठक मे किया, जिसमे की एक वीडियो में दिखाया गया है की सिद्धार्थ नगर थाना विजय नगर मे नगर निगम का कारकस डिस्पोजल है,जिसमे मरे हुए जानवर को नष्ट किया जाता है, कारकस के ठेकेदार की मिली भगत से

गायों और पशुओं को जिन्दा नष्ट किया जा रहा था, जब की वह वीडियो पुराना है, इसकी जांच मे दोषी पाए जाने पर थाना विजय नगर में एफआईआर दर्ज हुई थी, लेकिन अब फिर गऊ तस्करों और गऊशाला संचालक द्वारा एक नया तरीका अपनाया जा रहा है की गायों पर जायलाजिन इंजेक्शन इंजेसक्ट करके जिन्दा गायों को कारकस डिस्पोजल मे नष्ट किया जा रहा हैं। जायलाजीन और केटामाइन दवा का उपयोग पशुओ को बेहोश करने की क्रिया के लिए किया जाता है, इसकी शिकायत पशु प्रेमी रविंद्र आर्य ने 13 मई 2022 को 112 पर डायल करके ओर एस.डी. एम. सदर विनय कुमार को दिया था, की कुछ गऊशाला संचालक शराब आदि नशा करके, बिना प्रशासन अनुमति के रात्रि मे जिन्दा आवारा गायों पर बेहोशी का इंजेक्शन प्रयोग कर गुप्त तरीके से ले जा रहें है, जिसकी उचित जांच होनी चाहिए, जिसमें की अवैध गऊशाला की भी कोई जांच नहीं होती है, जब की सिद्धार्थ नगर, हिंडन क्षेत्र और बहरामपुर गऊकशी का गढ़ है, प्रशासनिक लोगों से एक सवाल है कि प्रशासन को गुप्त सूचना देने पर भी कारवाही क्यों नहीं करते है, जिसमे अवैध गऊशाला की मानक पूरा ना होने की गुप्त सूचना देने पर प्रशासन से जबाब मिलता है की कार्रवाई करने पर हमारे पीछे हिन्दू संगठन लगेगा, जब की मेरे द्वारा प्रशासन को गुप्त सूचना दिया जाता रहा है की ऐसे ही एक हिन्दू संगठन के व्यक्ति को रिश्वत के रूप मे पैसा दिया जाता है, की गऊकशी का दोषी होने के बाद नगर निगम कारकस छ महीने बंद रहने पर कारकस ठेकेदार द्वारा विरोध बंद कर, आंदोलन ना करे, फिर हिन्दू संगठन के एक व्यक्ति को पैसा देकर चुप रखा जाता है, 'आज गायों के रक्षक ही बने हुए है भक्षक' गायों पर खेल कर रहे लोगों की लापरवाही की शिकायत पशु प्रेमी रविंद्र आर्य ने पेटा इंडिया, उ.प्र. पशुपालन मंत्री धर्मपाल, एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया, और पीपल फॉर एनिमलस की चेयरपर्सन मेनका गांधी से किया।

कानपुर में राष्ट्रपति के लिए बैठकों और निरीक्षण का दौर जारी, केवल 15 मिनट ही रुकेगा यातायात

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां तीन जून को आ रहे राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के लिए बैठकों और निरीक्षणों का दौर जारी है। इस बीच यह भी निर्णय लिया गया है कि राष्ट्रपति के दौरे के समय यातायात को बंद नहीं रखा जाएगा। इस फैसले के मुताबिक जब राष्ट्रपति का आगमन और प्रस्थान होगा, उसके 15 मिनट पहले उक्त सड़क मार्ग का यातायात रोका जाएगा। यही नहीं मर्चेंट चैंबर हाल में कार्यक्रम के दौरान भी वीआइपी रोड का आवागमन नहीं रोका जाएगा। कार्यक्रम स्थल व पूरे रूट की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कल सोमवार को अधिकारियों ने मर्चेंट चैंबर में बैठक करके रणनीति तैयार की थी। जानकारी देते हुए संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया कि राष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से खींचे जा चुके खाके के मुताबिक एयरपोर्ट से लेकर सर्किट हाउस और कार्यक्रम स्थल तक चप्पे-चप्पे पर पुलिस की सुरक्षा रहेगी। वर्दीधारी पुलिसकर्मियों के अलावा खुफिया पुलिस भी तैनात की गई है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति के आने जाने से ठीक पहले पूरे सड़क मार्ग की विस्फोटक निरोधक दस्ता से चेकिंग कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि यातायात रोकने का कोई प्लान फिलहाल नहीं है। केवल राष्ट्रपति के आने जाने से 15 मिनट पहले एहतियातन यातायात रोका जाएगा और उनकी फ्लीट गुजरते ही शुरू हो जाएगा। यहां अधिकारियों ने बताया कि कानपुर देहात के परौख में कार्यक्रम समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चकेरी एयरपोर्ट आएंगे, हालांकि नगर में उनका कोई कार्यक्रम नहीं होगा। वह चकेरी एयरपोर्ट से ही विमान बदलकर दिल्ली चले जाएंगे जबकि राष्ट्रपति सर्किट हाउस में ठहरेंगे। यहां उनका स्वागत राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। परौख का कार्यक्रम समाप्त होने के बाद राष्ट्रपति हवाई मार्ग से कानपुर आएंगे और सर्किट हाउस में ठहरेंगे। जहां वह लोगों से मुलाकात भी करेंगे। चार जून को मर्चेंट चेंबर में होने वाले कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह एयरपोर्ट से दिल्ली चले जाएंगे।

कानपुर में फोन से बात पर पति की डांट से खफा युवती फांसी पर झूली

– कानपुर में 3 साल के भीतर दो दर्जन से ज्यादा युवतियों की मौत का कारण बन चुकी पतियों की डांट फटकार, जिनमें कई नवविवाहितायें भी शामिल

– 3 माह पहले ही हुई थी फांसी लगाकर मरने वाली युवती की शादी

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। पाश्चात्य संस्कृति में डूबे आधुनिक युवक और युवतियां अपने भौतिक जीवन में निजी स्वतंत्रता के खिलाफ किसी का भी किसी भी तरह का हस्तक्षेप नहीं चाहते। उनमें इसकी बढ़ रही प्रवृत्ति ना केवल कलह का कारण बन रही बल्कि उन्हें मौत का रास्ता भी अपनाने को मजबूर कर रही है। कुछ इसी तरह की घटना कानपुर के बिधनू खेरसा गांव में हुई, जहां शादी के तीन माह बाद नवविवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। यद्यपि इस तरह की घटना कानपुर में पहली नहीं है। इसके पहले भी 3 साल के भीतर दो दर्जन भी ज्यादा युवतियां अपने पतियों की डांट फट कार से नाराज होकर मौत को गले लगा चुकी हैं। जानकारी के मुताबिक गांव में फांसी लगाकर जान देने वाली युवती शादी के बाद से ही रोजाना रात को किसी से फोन पर बात करती थी, जिसे लेकर पति अक्सर टोकता था। सुसराल आए पिता व भाई ने भी जानकारी होने पर बेटी को फटकार लगाई थी। आज मंगलवार तड़के उसका शव कमरे के दरवाजे के रोशनदान से दुपट्टे के फंदे से फांसी पर लटका मिला। पुलिस ने बताया की खेरसा में रहने वाले पप्पू के 25 वर्षीय बेटे महेंद्र का विवाह तीन माह पहले करबिंगवां निवासी रामप्रीत की 22 वर्षीय बेटी चांदनी से हुआ था। महेंद्र के मुताबिक चांदनी मायके से ही एक फोन साथ लाई थी। शादी के बाद से हर रोज रात में वह किसी से काफी देर बात करती थी। जिसका कई बार उसने विरोध किया, लेकिन वह नहीं मानी। महेंद्र द्वारा फोन पर जानकारी देने के बाद सोमवार शाम चांदनी के पिता रामप्रीत, बड़ा भाई धर्मेंद्र और ममेरा भाई मुरली घर आ गए। महेंद्र ने ससुर से चांदनी को साथ ले जाने को कहा। इसपर भाई धर्मेंद्र ने चांदनी को डांटते हुए कहा कि यह शादी के पहले भी यही करती थी। धर्मेंद्र ने चांदनी को घर ले जाकर जान से मारने की बात कही। इसके बाद चांदनी दोबारा ऐसा न करने की बात कहते हुए कमरे में चली गई। रात को खाना खाने के बाद चांदनी के पिता रामप्रीत समधी पप्पू संग खेत में बनी झोपड़ी में सोने चले गए। और जब आज मंगलवार तड़के पति महेंद्र की नींद खुली तो देखा कमरे के दरवाजे के ऊपर रोशनदान से दुपट्टे के फंदे से चांदनी का शव लटक रहा है। वहीं बहन का शव फंदे से लटका देख भाई धर्मेंद्र पिता संग हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा भी किया। बाद में सूचना पर आई पुलिस ने शव कब्जे लेकर पोस्टमार्टम लिए भेजने के साथ ही पति को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक जांच से निकले निष्कर्ष के आधार पर ही अगली कार्रवाही की जाएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बड़ा फायदेमंद है चीकू, वजन भी करता है कम

चीकू आलू की तरह दिखने वाला फल है, जो हर मौसम में आसानी से मिल है। चीकू को सपोटा भी कहते हैं। चीकू को कई गुणों की खान माना जाता है। चीकू पेट की समस्याओं को दूर करने के साथ हेल्दी तरीके से वजन कम करने में मदद करता है। चीकू में मौजूद ऐंटी ऑक्सिडेंट्स और ऐंटी इंफ्लेमेंट्री एजेंट होने की वजह से यह कब्ज, दस्त जैसी कई समस्याओं को दूर करने में मददगार है। इसके फायदों पर एक नजर...

वजन कम करता है

चीकू का फल और शेक वजन को कम करने में बेहद फायदेमंद है। अगर आप वजन को कम करने वालों की दौड़ में शामिल हैं, तो अपनी डाइट में चीकू शेक को जरूर शामिल करें।

कब्ज और यूरीन में जलन से बचाए

चीकू में मौजूद ऐंटी इंफ्लेमेंट्री एजेंट आपको कई बामारियों से बचाने में मददगार है। चीकू के सेवन से शरीर को प्राकृतिक रूप से ऊर्जा मिलती है। चीकू कब्ज, अतिसार, एनिमिया व हृदय रोगों से बचाव में फायदेमंद है। इसके अलाव यह यूरिन में जलन को दूर करता है।

चीकू शेक को एनर्जी ड्रिंक के तौर पर भी पिया जा सकता है क्योंकि इसमें ग्लूकोज काफी मात्रा में पाया जाता है। हेल्दी और फिट कौन नहीं रहना चाहता। ऐसे में फूड के लिए पूरी दुनिया के लोग जागरूक हो रहे हैं। कई बार हेल्थ को देखते हुए हम भूख मिटाने के लिए डायट फूड लेने लगते हैं। लोगों को लगता है कि ये हेल्दी होते हैं। लेकिन ये बस हेल्दी लगते ही हैं जबकि सच्चाई कुछ और होती है। यहां कुछ ऐसे ही फूड्स हैं जिन्हें लोग हेल्दी मानकर खाते हैं पर वे हेल्दी नहीं होते...

फिटनेस फ्रीक लोग स्मूदीज और प्रोटीन शेक्स के लिए दीवाने होते हैं। इन्हें खाने के बीच में लेना चाहिए ताकि भूख न लगे। कुछ स्मूदीज और शेक्स वाकई में हेल्दी होते हैं जबकि कुछ में कैलरीज और शुगर काफी ज्यादा होती है। यह आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। यॉगर्ट पेट के लिए अच्छा हता है। हालांकि कुछ यॉगर्ट्स में ऐक्टिव और लाइव कल्चर नहीं होता जो कि फायदा पहुंचाने वाले बैक्टीरिया होते हैं। जब यॉगर्ट से कैलरी कम करने के लिए फैट हटाया जाता है तो फ्लेवर बढ़ाने के लिए इसमें शगर ऐड कर देते हैं। कई लो-फैट यॉगर्ट्स में शुगर होती है जो आपके वेट-लॉस प्लान को चौपट कर सकती है। कई लोग इंस्टंट एनर्जी के लिए प्रोटीन बार लेना पसंद करते हैं। ऐसा नहीं कि सारे प्रोटीन बार अनहेल्दी होते हैं लेकिन कुछ में कैलरी ज्यादा होने के साथ आर्टिफिशियल इनग्रेडिएंट्स भी होते हैं। आप हेल्थ के लिए चीनी के बजाय स्वीटनर्स भले चुनें लेकिन इसका कोई फायदा नहीं। आप इन्हें हेल्दी समझते हैं लेकिन इनसे वजन बढ़ सकता है। वजन कम ही करना है तो चीनी कम कर दें भले ही यह हेल्दी शुगर हो। डायट कुकीज हों, चिप्स हों या ऐसे ही दूसरे आइटम्स ये सभी अनहेल्दी होते हैं और इनसे वजन बढ़ जाता है। डायट फूड्स में प्रिजर्वेटिव्स, अनहेल्दी फैट्स और आर्टिफिशियल स्वीटनर्स होते हैं। ये सेहत के लिए अच्छे नहीं होते। ड्राइड फ्रूट्स में फाइबर्स, विटमिन्स और जरूरी पोषक तत्व होते हैं। हालांकि इनमें मिठास फ्रेश फ्रूट से ज्यादा होती है और लोग इन्हें ज्यादा भी खा लेते हैं। ये फ्रेश फ्रूट्स की तुलना में कम हेल्दी माने जाते हैं। चीकू में कैल्शियम व आयरन होता है, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने और आंखों की रोशनी के लिए फायदेमंद माना जाता है। चीकू आयरन और कैल्शियम का अच्छा स्रोत है। यह हड्डियों के विकास में भी मददगार है।

गुणों से भरपूर

- आयरन
- विटामिन सी
- फास्फोरस
- फाइबर
- सोडियम
- मैग्नीशियम
- विटामिन बी 6
- पोटैशियम
- कैल्शियम

चीकू आयरन से भरपूर होता है। इससे पेट से जुड़ी समस्याओं में काफी आराम मिलता है। डॉ. पूनम तिवारी, डायटिशन, आरएमएलआई

मॉनसून में इन 6 तरीकों से करें होंठों की देखभाल, हो जाएंगे पिंक और सॉफ्ट

खूबसूरत चेहरे के साथ अगर होंठ भी सुर्ख लाल या गुलाबी हों तो सुंदरता में चार चांद लग जाते हैं। आखिर खूबसूरत होंठ भला किसकी चाहत नहीं होती। लेकिन यह चाहत पूरी हो सकती है बशर्ते उनका अच्छी तरह से ख्याल रखा जाए। जिस तरह एनर्जी और यंग लुक के लिए शरीर को हेल्दी खान-पान और सही देखभाल की जरूरत होती है, ठीक वैसे ही होंठों को भी। सर्दी और गर्मी में तो होंठों की ढंग से केयर की जाती है, लेकिन मॉनसून में सब मामला गड़बड़ हो जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि बरसात के मौसम में बालों, स्किन और सेहत के ध्यान के अलावा किसी का ध्यान इस ओर जाता ही नहीं होंठों को भी एक्स्ट्रा केयर चाहिए।

1- ड्राई और फटे होंठों की समस्या सिर्फ सर्दियों या गर्मियों में ही नहीं होती, बल्कि कई लोगों के साथ यह समस्या सदाबहार है। इसलिए यहां कुछ ऐसे टिप्स दिए जा रहे हैं जो बारिश के मौसम में भी होंठों का ख्याल रखने में काम आएंगे:

2- होठों पर अगर डेड स्किन हो या पपड़ी जम रही हो तो फिर उस पर जीभ लगाने या फिर हाथों से डेड स्किन निकालने के बजाय आधा चम्मच शहद में आधा चम्मच चीनी मिक्स करके होठों पर लगाएं। एक ब्रश की मदद से होंठों को धीरे-धीरे रब करें। इससे डेड स्किन को निकलेगी ही साथ ही होंठ सॉफ्ट भी हो जाएं।

3- रात को सोने से पहले होंठों पर लिप बाम या फिर बोरोप्लस लगाएं, काफी फायदा होगा। इसके अलावा होंठों पर रोजाना रात को गाय का घी लगाने से भी वे मुलायम और गुलाबी हो जाते हैं।

लिप्स डार्क हैं, होंठों पर लगाएं सनस्क्रीन

4- लिप्स को स्क्रब करने के अलावा उनकी मसाज भी करें। इससे वे गुलाबी हो जाएंगे। इस-के लिए लिप्स पर कोकोनट या फिर ऑलिव ऑइल लगाएं और उंगलियों से मसाज करें।

5- रात को सोते वक्त कई महिलाएं मेकअप रिमूव करने के बाद लिपस्टिक रिमूव नहीं करतीं। इससे होंठों को काफी नुकसान होता है। रोजाना रात को लिपस्टिक हटाने के बाद लिप बाम लगाकर सोएं।

6- इसके अलावा स्मोकिंग न करें और हेल्दी खान-पान रखें। बॉडी को डिटॉक्स रखें और खूब पानी पिएं। पानी की कमी लिप्स को भी ड्राई बना देती है जिससे वे बदसूरत लगते हैं।

घर पर करें टमाटर फेशियल, चेहरे पर दिखेगा इंस्टंट ग्लो

घर पर करें टमाटर फेशियल, चेहरे पर दिखेगा इंस्टंट ग्लो

हेल्थ के साथ ही टमाटर स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। इसलिए आप चाहें, तो टमाटर को फूड के अलावा अपने चेहरे पर भी प्रयोग कर सकती हैं। यह आपको कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स से निजात दिलाएगा। दरअसल, टमाटर में लाइकोपीन की क्वांटिटी काफी तादाद में होती है। लाइकोपीन के अलावा इसमें बहुत से ऐंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो त्वचा पर फ्री रेडिकल्स के इफेक्ट्स को कम करने में मदद करते हैं। यही नहीं, अगर आप टमैटो फेशियल करती हैं, तो आप कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स से बची रहेंगी...

किसी भी तरह के फेशल को शुरू करने से पहले त्वचा की सफाई बेहद जरूरी है। टमैटो फेशल इसलिए फायदेमंद है क्योंकि इसमें नैचरल क्लींजिंग गुण पाए जाते हैं। चेहरे को क्लीन करने के लिए आधे टमाटर में चीनी मिलाकर 5 मिनट तक चेहरे पर मलें। इसके बाद साफ पानी से चेहरा थोकर हल्के हाथ से पोंछ लें। इसके अलावा भी कई तरीकों से क्लींजिंग की जा सकती है।

टमाटर और दूध

टमाटर के रस और दूध को मिलाकर चेहरे पर एक से दो मिनट तक मालिश करें। अब नॉर्मल पानी से मुंह धो लें। टमाटर जहां चेहरा क्लीन करता है वहीं दूध मॉइश्चराइजिंग के काम आता है।

स्क्रबिंग

क्लीजिंग के बाद सबसे महत्वपूर्ण स्टेप आता है स्क्रबिंग। यह आपके चेहरे को डीप क्लीन करने का काम करती है। चेहरे पर जमी ऊपरी गंदगी तो रोजाना साफ हो जाती है लेकिन पलूशन के कारण स्किन के भीतर गई गंदगी को साफ करना बेहद जरूरी है। लेकिन ध्यान रहे कि त्वचा हमेशा दो प्रकार की होती है ड्राई स्किन और ऑइली स्किन। अब अगर त्वचा अलग-अलग प्रकार की है तो इसकी स्क्रबिंग के तरीके भी अलग-अलग होने चाहिए।

डेड स्किन निकाले

इसके लिए आप टमाटर के गूदे को निकालकर उसमें चीनी मिक्स करके चेहरे पर दो से तीन मिनट तक रगड़ें। आप चाहें तो चीनी की जगह ओटमील का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इस स्क्रब का इस्तेमाल करने से चेहरे की सारी डेड स्किन रिमूव हो जाएगी। उसके बाद आप साफ पानी से मुंह धो लें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

प्रियंका चोपड़ा ने कान्स फिल्म फेस्टिवल के विनर्स को दी बधाई

बॉलीवुड के बाद हॉलीवुड में भी अपनी अलग पहचान बनाने वाली फेमस एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा एक इंटरनेशनल स्टार बन गई हैं। सोशल मीडिया पर वो काफी एक्टिव रहती है। अपने प्रोफेशनल लाइफ से लेकर पर्सनल लाइफ के अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती है। अपने पोस्ट से फैंस का दिल जीत लेतीं हैं। फिलहाल वो अपनी फैमली के साथ समय बीता रहीं हैं। अब इसी बीच देसी गर्ल ने कान्स फिल्म फेस्टिवल 2022 के सभी विजेताओं को बधाई दी है। जो उन्होनें अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है। आपको बता दें, प्रियंका चोपड़ा ने अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम की स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में वो कान्स फिल्म फेस्टिवल के सभी विजेताओं को बधाई देती नजर आ रहीं हैं। प्रियंका की इस स्टोरी पोस्ट में लिखा है, कान्स फिल्म फेस्टिवल 2022, कान्स फिल्म फेस्टिवल 2022 के सभी विजेताओं को बधाई। एशिया की सभी शक्तिशाली प्रतिभाओं को मान्यता मिलना विशेष रूप से खुशी की बात है। इस पोस्ट को शेयर करने के साथ इसके आगे इंस्टा स्टोरी पर एशिया की फिल्मों, निमार्ताओं और अभिनेताओं की कुछ फोटोज भी शेयर की है। इन स्टार्स को कान्स 2022 में पहचान मिली है। इन सभी विजेताओ की फोटोज शेयर करने के साथ उन्हें बधाई देते हुए अपनी खुशी जाहिर की है। इन फोटोज पर लोग अपनी-अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहें हैं।

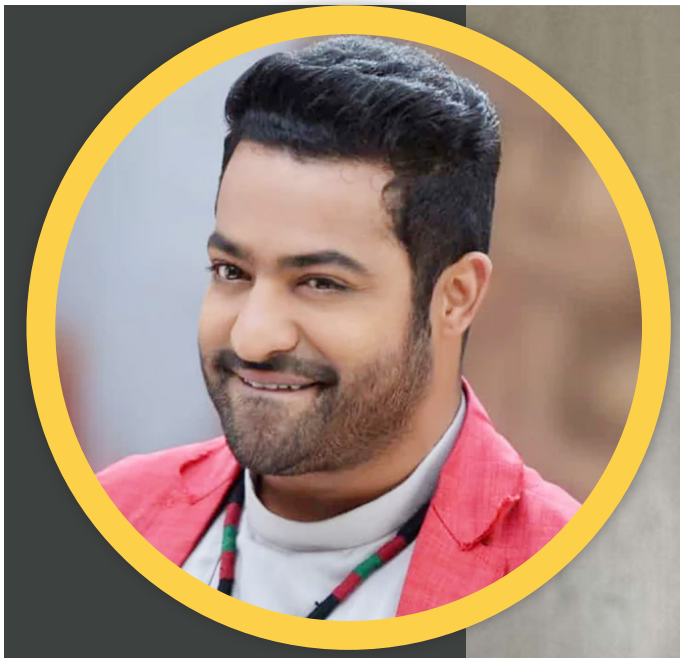

जूनियर एनटीआर की अगली फिल्म का हिस्सा नहीं होंगी सोनाली बेंद्रे

बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा सोनाली बेंद्रे एक लंबे वक्त के बाद एक्टिंग की दुनिया में कमबैक करने जा रही हैं। एक्ट्रेस अपना कमबैक टीवी या सिनेमा से नहीं बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर करने जा रही हैं। इस बात की जानकारी एक्ट्रेस ने खुद सोशल मीडिया पर दी थी। सोनाली ने खुद इंस्टाग्राम पर अपने नए शो 'द ब्रोकन न्यूज' का ट्रेलर जारी किया था। एक्ट्रेस की वापसी की खबर सुनकर उनके फैंस काफी खुश हुए थे। इस शो में एक्ट्रेस एक पत्रकार की भूमिका में दिखाई देने वाली है। हालांकि इसी बीच एक्ट्रेस के साउथ फिल्म करने को लेकर खबरें सामने आई थी, जिस पर एक्ट्रेस ने अब अपना रिएक्शन दिया है। कुछ समय से ऐसी अफवाहें चल रही हैं कि सोनाली बेंद्रे के हाथ साउथ की एक बड़ी फिल्म लग चुकी है। एक्ट्रेस साउथ के मशहूर निर्देशक कोराताला शिवा के अगल प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने वाली हैं जिसमें साउथ के फेमस एक्टर जूनियर एनटीआर को लीड रोल के लिए कास्ट किया गया है। जूनियर एनटीआर को लोगों ने फिल्म आरआरआर में बहुत पसंद किया था। इस फिल्म में उनके अलावा राम चरण और आलिया भट्ट भी नजर आए थे। हालांकि, एक इंटरव्यू में सोनाली ने इन अफवाहों का खंडन किया और इस पर सफाई देते हुए कहा, कौन, मैं? नहीं, मुझे नहीं पता, कृपया मुझे इसके बारे में बताएं। मुझे कोई जानकारी नहीं है कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं। नहीं सुनो, सच में मैं नहीं हूँ। नहीं, मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है, इसलिए यह एक फेक न्यूज है। या अगर यह एक खबर है, तो यह अभी तक मुझ तक नहीं पहुंची है। यह सनसनीखेज है।

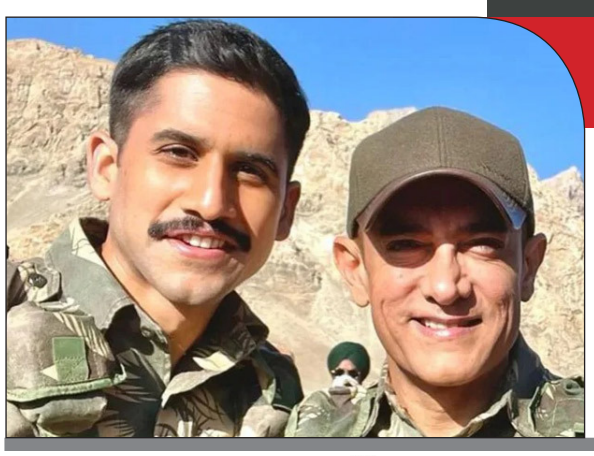

नागा चैतन्य ने बताये लाल सिंह चड्ढा में काम करने के अपने एक्सपीरियंस

आमिर खान की मच अवेटेड फिल्म लाल सिंह चड्ढा का ट्रेलर रविवार को रिलीज करा दिया गया है। फिल्म में उनके साथ करीना कपूर खान नजर आएँगी। ट्रेलर को दर्शको का अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। फिल्म में अपना बॉलीवुड डेब्यू करते नजर आने वाले है साउथ स्टार नागा चैतैन्य। नागा चैतन्य टॉलीवूड के मग्स्टर नागार्जुन के बेटे और एक्टर वेंकेटेश के भांजे है। साउथ इंडस्ट्री में वह जाना माना नाम है। इस फिल्म में वह पहली बार आमिर खान के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले है। रविवार को आईपीएल के फिनाले में रिलीज किये गए 3 मिनट के ट्रेलर में आमिर खान के किरदार के अलग अलग रूप दिखाए गए। फिल्म में अहम भूमिका निभाते नजर आने वाले है नागा चैतन्य। नागा ने आमिर खान के बारे में बात करते हुए बताया की वह आमिर के बहुत बड़े फैन है। ट्रेलर रिलीज के कुछ देर बाद नागा ने फिल्म को लेकर अपने एक्सपीरियंस शेयर किया। मीडिया इंटरेक्शन में नागा चैतन्य ने आमिर खान के बारे में बात करते हुए कहा कि आमिर खान उन एक्टर्स में से एक है जो हमेशा कंटेंट के बारे में पहले सोचते है बाद में बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बारे में। नागा ने ये भी कहा कि उन्होंने उनसे बहुत कुछ सीखा इस फिल्म की शूटिंग के दौरान। नागा ने आगे कहा एक बात तो तय है कि पिछले 12 सालों में मैंने जो कुछ सीखा है, उससे कही ज्यादा मैंने आमिर सर से 45 दिनों में सीखा है। उनके पास यह अद्भुत जादू है कि वह बिना कोशिश किए भी लोगों को प्रभावित कर सकते है।